SAMPLE QUESTION PAPER - 10
Hindi B (085)
Class X (2025-26)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ
- खंड क में अपठित गदयांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
- खंड ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- खंड ग पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
- खंड घ रचनात्मक लेखन पर आधारित है आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्न पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **[7]**

भरपेट मांस वही शेर खा सकता हैं जो अपने हाथ पाँव हिलाता है, घर से बाहर निकलता है दौड़ धूप करता है और कभी कभी बलवान हाथियों से भी लोहा लेने के लिए तैयार रहता है। इस दौड़ धूप का नाम ही परिश्रम है। इसी को उद्यम कहते हैं। पुरुषार्थ भी इसी का पर्यायवाची है। परिश्रम के साथ साथ ईमानदारी का होना भी आवश्यक है। सदा सोच समझकर उचित स्थान पर परिश्रम करना चाहिए तभी वह परिश्रम सफल हो सकता है वरना उसका परिणाम निष्फल हो जाएगा। जीवन में परिश्रम से ही सफलता मिलती है। मन में केवल इच्छा कर लेने से नहीं मेहनत बड़े पुरुष या व्यक्ति बनने की निशानी है। इसीलिए विद्यार्थियो ! यदि तुम भी जीवन में कुछ करतब कर दिखाना चाहते हो तो परिश्रम रूपी लाठी का सहारा लो।

1. 'ईमानदारी' और 'सफलता' में मूलशब्द व प्रत्यय को अलग-अलग कीजिए। (1)
   (क) ईमान + दारी, सफ + लता
   (ख) ईमानदा + री, सफल + ता
   (ग) ईमान + दारी, सफल + ता
   (घ) ईमान + दारी, स + फलता
2. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:
   कथन (A): परिश्रम से ही सफलता मिलती है, और बिना परिश्रम के मन में केवल इच्छा करना पर्याप्त नहीं होता।
   कारण (R): परिश्रम के साथ-साथ ईमानदारी का होना भी सफलता पाने के लिए आवश्यक है, क्योंकि केवल परिश्रम से सफलता नहीं मिल सकती।
   विकल्प:
   (क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
   (ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
   (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   (घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. परिश्रम के साथ साथ किसका होना भी आवश्यक है? (1)
   (क) सफलता

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ख) लाठी

(ग) हिम्मत

(घ) ईमानदारी

4. भर पेट मांस खाने के लिए शेर को क्या-क्या करना पड़ता है? (2)
5. परिश्रम कब सफल होता है? (2)

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **[7]**

मृत्यु अर्थात् यमराज के घर का मार्ग सचमुच बड़ा भयावना था। नचिकेता ने देखा कि अपने-अपने कर्मों के कारण लोग मृत्यु से किस तरह घबराते हैं। हृदय में छाई हुई पाप की रेखाओं से लोगों का मन इतना भयभीत है कि सारे मार्ग में हाहाकार मचा हुआ है। कोई अपने पुत्र के लिए रो रहा है तो किसी को पत्नी के वियोग का दुःख है। परन्तु नचिकेता को तो सचमुच अपूर्व आनन्द मिल रहा था। प्रसन्नता और उत्साह के साथ उसने मार्ग की सारी कठिनाइयों का अन्त कर दिया। पिता की आज्ञा के पालन करने में उसे जो शान्ति मिल रही थी, वह भूलोक के मायाग्रस्त जीवन में कहीं नहीं थी। निर्भीक नचिकेता जिस समय मृत्यु के द्वार पर पहुँचा, उस समय संयोग से यमराज कहीं बाहर गए हुए थे। अतः द्वारपालों ने उसे भीतर घुसने की अनुमति नहीं दी। विवश होकर उसे बाहर एक वृक्ष के नीचे सुन्दर चबूतरे पर बैठकर यम की प्रतीक्षा करनी पड़ी।

1. लोगों का मन भयभीत क्यों है? (1)

(क) मृत्यु के भय के कारण

(ख) पुत्र या पत्नी वियोग के कारण

(ग) यमराज के डर के कारण

(घ) हृदय में छाई हुई पाप की रेखाओं के कारण

2. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): नचिकेता ने मृत्यु के मार्ग में आने वाली कठिनाइयों को उत्साह और प्रसन्नता से पार कर लिया।

कारण (R): नचिकेता को अपने पिता की आज्ञा का पालन करने में आत्मिक शांति और संतोष प्राप्त हो रहा था।

विकल्प:

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

3. भूलोक का समानार्थी शब्द बताइए। (1)

(क) स्वर्ग लोक

(ख) पृथ्वी लोक

(ग) नर्क लोक

(घ) यम लोक

4. नचिकेता ने लोगों को अपने कर्मों के कारण किस दशा में देखा? (2)
5. यमराज के निवास की ओर जाते हुए नचिकेता आनंद का अनुभव क्यों कर रहे थे? (2)

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. निम्नलिखित वाक्यों में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **[4]**

i. देर होने के कारण राम तेज़-तेज़ दौड़ते हुए विद्यालय पहुँचा। **क्रिया-विशेषण पदबंध** पहचानिए।

ii. उसकी कल्पना में वह अद्भुत साहसी युवक था। इस वाक्य में **संज्ञा पदबंध** क्या है?

iii. **घर से भागा हुआ लड़का** मिल गया। रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए।

iv. अब खिड़की को बंद किया जा सकता है। वाक्य में **क्रिया पदबंध** को छाँटिये।

v. हम **पढ़कर सो जाया करते हैं**। रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए।

4. नीचे लिखें वाक्यों में से **किन्हीं चार** वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण कीजिए- **[4]**

i. रात होते ही आकाश में तारों का मेला लग गया। (मिश्र वाक्य)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ii. वह मुंबई गया। उसने वहाँ नया व्यापार शुरू किया। (संयुक्त वाक्य)

iii. नीरजा ने कहानी सुनाई। नमिता रो पड़ी (सरल वाक्य)

iv. उसके पिता जी की इच्छा थी। उनका बेटा वकील बने। (मिश्र वाक्य)

v. वामीरो से मिलने के बाद तताँरा के जीवन में परिवर्तन आया। **(मिश्र वाक्य में)**

5. **'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **[4]**

i. सामासिक पद में प्रधान पद का निर्धारण कैसे किया जाता है? **[1]**

ii. 'कर्मधारय' समास में पूर्व पद और उत्तर पद का कार्य बताइए। **[1]**

iii. 'वियोग समास' में पूर्व पद और उत्तर पद की भूमिका स्पष्ट कीजिए। **[1]**

iv. द्विगु समास में पूर्व पद और उत्तर पद की भूमिका स्पष्ट कीजिए। **[1]**

v. 'मंगलवार' शब्द का समास विग्रह कीजिए और इसके भेद को विस्तार से समझाइए। **[1]**

6. **'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **[4]**

i. Fill in the blanks: **[1]**

प्रात:काल बिस्तर से उठते ही चाय पीना, फिर ब्रश करने का प्रचलन भारतीय संस्कृति की दृष्टि से _____ जैसा है। (उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

ii. Fill in the blanks: **[1]**

कौए की चोंच में रोटी का टुकड़ा देखकर लोमड़ी के _____गया। (उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

iii. 'आसमान सिर पर उठाना' और 'कान खा जाना' में अंतर स्पष्ट कीजिए। **[1]**

iv. 'गागर में सागर भरना' का वाक्य बनाइए। **[1]**

v. "तुम मेहनत करो, मैं तुम्हें दिन दूना और रात चौगुना फल दूंगा।" इस पंक्ति से मुहावरे को चुनें और वाक्य में प्रयोग करें। **[1]**

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

एक दिन संध्या समय, होस्टल से दूर मैं एक कनकौआ लूटने बेतहाशा दौड़ा जा रहा था। आँखें आसमान की ओर थीं और मन उस आकाशगामी पथिक की ओर, जो मंद गति से झूमता पतन की ओर चला आ रहा था, मानो कोई आत्मा स्वर्ग से निकलकर विरक्त मन से नए संस्कार ग्रहण करने जा रही हो। बालकों की पूरी सेना लग्गे और झाड़दार बाँस लिए इनका स्वागत करने को दौड़ी आ रही थी। किसी को अपने आगे-पीछे की खबर न थी। सभी मानो उस पतंग के साथ ही आकाश में उड़ रहे थे, जहाँ सब कुछ समतल है, न मोटरकारें हैं, न ट्राम, न गाड़ियाँ।

सहसा भाई साहब से मेरी मुठभेड़ हो गई, जो शायद बाजार से लौट रहे थे। उन्होंने वहीं हाथ पकड़ लिया और उग्र भाव से बोले-इन बाजारी लौंडों के साथ धेले के कनकौए के लिए दौड़ते तुम्हें शर्म नहीं आती? तुम्हें इसका भी कुछ लिहाज नहीं कि अब नीची जमात में नहीं हो, बल्कि आठवीं जमात में आ गए हो और मुझसे केवल एक दरजा नीचे हो। आखिर आदमी को कुछ तो अपनी पोजीशन का खयाल रखना चाहिए।

i. संध्या समय होस्टल से दूर लेखक बेतहाशा क्यों दौड़ा जा रहा था?

क) भाई साहब रास्ते में न मिल जाएँ　　ख) कनकौआ लूटने के लिए

ग) बड़े भाई साहब की मार से बचने के लिए　　घ) अध्यापक से डरकर

ii. **आकाशगामी पथिक** से लेखक किसकी ओर इंगित कर रहा है?

क) पक्षी की ओर　　ख) सूर्य की ओर

ग) पतंग की ओर　　घ) बड़े भाई साहब की ओर

iii. बाजार में लेखक की किससे मुठभेड़ हो गई?

क) बड़े भाई साहब से　　ख) पिताजी से

ग) अध्यापक से　　घ) एक मित्र से

iv. **अब नीची जमात में नहीं हो, बल्कि आठवीं जमात में आ गए हो** यह कथन किसके लिए कहा गया है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

क) लेखक के मित्र के लिए
ख) बड़े भाई साहब के लिए
ग) इनमें से कोई नहीं
घ) लेखक के लिए

v. **मुझसे केवल एक दरजा नीचे हो** कथनानुसार लेखक के बड़े भाई साहब किस कक्षा में थे?

क) सातवीं कक्षा में
ख) नौवीं कक्षा में
ग) आठवीं कक्षा में
घ) दसवीं कक्षा में

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. **डायरी का पन्ना** पाठ में जनता आज़ादी का पर्व मनाने के लिए अत्यन्त उत्साहित थी, पर पुलिस इस पर्व को मनाने के लिए जनता को हतोत्साहित कर रही थी। पुलिस के लिए यह आयोजन रोकना आवश्यक था, क्यों? तर्क संगत उत्तर दीजिए। **[2]**

ii. **झेन की देन** के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि कौन निरर्थक बोलता है और क्यों? **[2]**

iii. अफ़ग़ानिस्तान के बादशाह को हिंदुस्तान पर हमला करने के लिए वज़ीर अली ने क्यों बुलाया? **[2]**

iv. शैलेन्द्र ने **तीसरी कसम** में किस प्रकार रेणु की मूल पट-कथा को पूर्ण आकार प्रदान किया? **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

क्षुधार्त रंतिदेव ने दिया करस्थ थाल भी,
तथा दधीचि ने दिया परार्थ अस्थिजाल भी।
उशीनर-क्षितीश ने स्वमांस दान भी किया,
सहर्ष वीर कर्ण ने शरीर-चर्म भी दिया।
अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्या डरे?
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

i. रंतिदेव कौन थे?

क) परम दानी राजा
ख) कुशल-समझदार राजा
ग) वीर राजा
घ) बुद्धिमान-शिक्षित राजा

ii. **स्तंभ 'अ'** और **स्तंभ 'ब'** को सुमेलित करके सही विकल्प चुनिए:

स्तंभ 'अ'	**स्तंभ 'ब'**
I. उशीनर	1. अपने शरीर की चमड़ी भी दान में दी
II. दधीचि	2. अपना माँस देकर कबूतर के प्राण बचाए
III. कर्ण	3. अस्थियाँ देकर देवताओं की सहायता की

क) I - 1, II - 2, III - 3
ख) I - 1, II - 3, III - 2
ग) I - 2, II - 1, III - 3
घ) I - 2, II - 3, III - 1

iii. कवि ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से क्या संदेश दिया है?

क) शरीर नाशवान है अतः जीव को डरना नहीं चाहिए।
ख) हमें जीवन की परवाह न करके परोपकार करना चाहिए।
ग) हरेक की पीड़ा को समझना चाहिए।
घ) अपनी भूख की परवाह बिलकुल नहीं करनी चाहिए।

iv. काव्यांश में प्रयुक्त **अनादि** शब्द का क्या अर्थ है?

क) जो सदा बना चला आ रहा हो
ख) जो सृष्टि पर सबसे पहले जन्मा हो

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) जिसका आदि या आरंभ न हो　　घ) जिसका न आदि हो न अंत

v. दधीचि ने दान में क्या दिया?

क) हड्डियाँ　　ख) कवच-कुंडल

ग) माँस　　घ) धन

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. दूसरे पद में मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती हैं? स्पष्ट कीजिए। **[2]**

ii. **पर्वत प्रदेश में पावस** कविता में तालाब की तुलना किससे की गई है और क्यों? **[2]**

iii. कवि ने सैनिकों को राम-लक्ष्मण जैसा बनने के लिए क्यों कहा है? 'कर चले हम फ़िदा' कविता के आधार पर बताइए। **[2]**

iv. कवि ने ईश्वर से दु:ख दूर करने की प्रार्थना क्यों नहीं की? **आत्मत्राण** कविता के आधार पर बताइए। **[2]**

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. **उम्र का अंतर आत्मीय संबंधों के बीच बाधक नहीं बनता** - इस कथन को **हरिहर काका** और **टोपी शुक्ला** पाठों के संदर्भ में समझाकर लिखिए। **[3]**

ii. **सपनों के से दिन** पाठ के आधार पर बताइए कि ओमा कौन था? उसकी क्या विशेषता थी? **[3]**

iii. **कस्टोडियन** शब्द से आप क्या समझते हैं? इफ़्फ़न की दादी के मायके का घर **कस्टोडियन** क्यों चला गया? **टोपी शुक्ला** पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए। **[3]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[5]**

i. **बचाना है दुनिया को भूमंडलीय ऊष्मीकरण (ग्लोबल वार्मिंग) से** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- स्वच्छ पर्यावरण के लिए जरूरी
- जागरूकता है जरूरी
- समाधान

ii. **आधुनिक जीवन में मोबाइल** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- वर्तमान समय में मोबाइल की महत्ता
- मोबाइल फोन द्वारा प्राप्त होने वाली सुविधाएँ
- मोबाइल फोन से होने वाले नुकसान

iii. **घर में रखी 'खाना खाने की मेज़'** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- छः लोगों की मेज़
- तीन बार अलग-अलग तरह का भोजन सजना
- खाने के समय पूरे परिवार का इकट्ठा होना
- बातों की महफिल
- एक अद्भुत अनुभव।

13. रेल द्वारा बुक कराकर भेजा गया घरेलू सामान आपके निवास के निकटस्थ स्टेशन तक नहीं पहुँचा है। इसकी शिकायत करते हुए रेल प्रबंधक को एक पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

परीक्षा के दिनों में अनियमित विद्युत्आपूर्ति की समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए प्रबंधक, राज्य विद्युत्-आपूर्ति निगम को पत्र लिखिए।

14. **समाज-सेवा** क्लब किसी वृद्धाश्रम के लिए चादर, कंबल और गर्म कपड़े एकत्र करना चाहता है। उसके लिए 40-50 शब्दों में सूचना लिखिए। **[4]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अथवा

आप राहुल, बाल भारती स्कूल के हैड ब्वाय हैं। आपके विद्यालय ने एक चैरिटी शो आसपास के गरीब लोगों के लिए रखा है। इसके लिए विद्यार्थियों को सहयोग देने हेतु 25-30 शब्दों में सूचना लिखिए।

15. आपके शहर में विराट हास्य कवि सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। इसमें देश के प्रसिद्ध हास्य कवि आमंत्रित हैं। इसके प्रचार के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए। **[3]**

अथवा

बच्चों की पुस्तकों के प्रति रुचि बढ़ाने और उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करने हेतु आपके विद्यालय में **पुस्तक बदलो** कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके प्रचार-प्रसार के लिए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 60 शब्दों में तैयार कीजिए।

16. आप परमजीत कौर/जितेंदर सिंह हैं। आपके मोहल्ले के पार्क में अनपेक्षित व्यक्तियों का जमावड़ा रहता है। जिसके कारण बच्चों को खेलने का स्थान नहीं मिल पाता। इस समस्या के निदान के लिए नगर-निगम अधिकारी को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए। **[5]**

अथवा

जैसी करनी वैसी भरनी विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Solution

खंड क - अपठित बोध

1. 1. (ग) ईमान + दारी, सफल + ता
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (घ) ईमानदारी
   4. भरपेट मांस खाने के लिए शेर को घर से बाहर निकलकर दौड़-धूप करनी पड़ती है। कभी-कभी बलवान हाथियों से भी लोहा लेना पड़ता है।
   5. सोच समझकर, उचित स्थान पर किया गया परिश्रम ही सफल होता है।
2. 1. (घ) हृदय में छाई हुई पाप की रेखाओं के कारण लोगों का मन भयभीत है।
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (ख) पृथ्वी लोक
   4. नचिकेता ने लोगों को अपने कर्मों के कारण मृत्यु से घबराते हुए देखा।
   5. नचिकेता अपने पिता की आज्ञा का पालन कर रहे थे। इसलिए यमराज के निवास की ओर जाते हुए वे आनंद का अनुभव कर रहे थे।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. तेज़-तेज़ दौड़ते हुए
   ii. अद्भुत साहसी युवक
   iii. संज्ञा पदबंध
   iv. बंद किया जा सकता है
   v. क्रिया पदबंध
4. i. जैसे ही रात हुई वैसे ही आकाश में तारों का मेला लग गया।
   ii. वह मुंबई गया और उसने वहाँ नया व्यापार शुरू किया।
   iii. नीरजा की कहानी सुनकर नमिता रो पड़ी।
   iv. उसके पिता जी की इच्छा थी कि उनका बेटा वकील बने।
   v. जब तताँरा वामीरो से मिला तब उसके जीवन में परिवर्तन आया।
5. 'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (i) समास के प्रकार के आधार पर प्रधान पद का निर्धारण होता है। जैसे, अव्ययीभाव समास में पहला पद प्रधान होता है, तत्पुरुष समास में दूसरा पद, और बहुव्रीहि में कोई भी पद प्रधान नहीं होता।
   (ii) कर्मधारय समास में पूर्व पद और उत्तर पद का कार्य एक गुण, विशेषता, या संबंध को व्यक्त करना होता है।
   उदाहरण - "दुर्लभ" (दुर्लभ+ वस्तु), जहाँ "दुर्लभ" शब्द का अर्थ "जो कम मिलने वाली हो" है। इसमें "दुर्लभ" पूर्व और उत्तर पद दोनों से संबंधित है।
   (iii)वियोग समास में दो शब्दों का संयोजन होता है, जहाँ दोनों पद एक दूसरे से अलग होते हैं और उनके बीच का संबंध स्पष्ट नहीं होता।
   उदाहरण - "जन्ममरण" (जन्म + मरण) में "जन्म" और "मरण" दोनों शब्दों के बीच एक वियोग समास का संबंध है, जहां दोनों अलग-अलग स्थितियों को दर्शाते हैं।
   (iv)द्विगु समास में दो पद होते हैं - पूर्व पद और उत्तर पद। इसमें पूर्व पद संख्या, गुण या द्वैत को व्यक्त करता है, और उत्तर पद उसे विशेषता देता है।
   उदाहरण के तौर पर, "द्वादशपद" (12 पंख) शब्द में "द्वादश" पूर्व पद है जो संख्या को व्यक्त करता है, और "पद" उत्तर पद है जो चीज़ की पहचान बताता है।
   (v) '**मंगलवार**' शब्द का समास विग्रह और उसका भेद निम्नलिखित है:
   विग्रह:
   मंगल + वार
   यहां:
   - **मंगल** = शुभ, अच्छा
   - **वार** = दिन

   अर्थ: "मंगलवार" शब्द का अर्थ है वह दिन जो मंगल (शुभ) से संबंधित हो, यानी शुभ दिन।
   समास का भेद:
   "मंगलवार" में **तत्पुरुष समास** का प्रयोग हुआ है।
   तत्पुरुष समास वह समास होता है, जिसमें पहले शब्द का गुण या विशेषता दूसरे शब्द में व्यक्त होती है। इस समास में दोनों शब्दों का संबंध इस प्रकार होता है कि पहले शब्द का अर्थ दूसरे शब्द को विशेष रूप से निर्धारित करता है।
6. 'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (i) उलटी गंगा बहाने

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) मुँह में पानी आना

(iii)आसमान सिर पर उठाना: अत्यधिक शोर करना।
कान खा जाना: लगातार बोलकर परेशान करना।

(iv)उसके भाषण में गागर में सागर भरने की कला है।

(v) मुहावरा: दिन दूना और रात चौगुना।
वाक्य: किसान की कड़ी मेहनत से उसकी फसल दिन दूना और रात चौगुना बढ़ी।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

एक दिन संध्या समय, होस्टल से दूर मैं एक कनकौआ लूटने बेतहाशा दौड़ा जा रहा था। आँखें आसमान की ओर थीं और मन उस आकाशगामी पथिक की ओर, जो मंद गति से झूमता पतन की ओर चला आ रहा था, मानो कोई आत्मा स्वर्ग से निकलकर विरक्त मन से नए संस्कार ग्रहण करने जा रही हो। बालकों की पूरी सेना लग्गे और झाड़दार बाँस लिए इनका स्वागत करने को दौड़ी आ रही थी। किसी को अपने आगे-पीछे की खबर न थी। सभी मानो उस पतंग के साथ ही आकाश में उड़ रहे थे, जहाँ सब कुछ समतल है, न मोटरकारें हैं, न ट्राम, न गाड़ियाँ।

सहसा भाई साहब से मेरी मुठभेड़ हो गई, जो शायद बाजार से लौट रहे थे। उन्होंने वहीं हाथ पकड़ लिया और उग्र भाव से बोले-इन बाजारी लौंडों के साथ धेले के कनकौए के लिए दौड़ते तुम्हें शर्म नहीं आती? तुम्हें इसका भी कुछ लिहाज नहीं कि अब नीची जमात में नहीं हो, बल्कि आठवीं जमात में आ गए हो और मुझसे केवल एक दरजा नीचे हो। आखिर आदमी को कुछ तो अपनी पोजीशन का खयाल रखना चाहिए।

(i) **(ख)** कनकौआ लूटने के लिए
व्याख्या:
कनकौआ लूटने के लिए

(ii) **(ग)** पतंग की ओर
व्याख्या:
पतंग की ओर

(iii) **(क)** बड़े भाई साहब से
व्याख्या:
बड़े भाई साहब से

(iv) **(घ)** लेखक के लिए
व्याख्या:
लेखक के लिए

(v) **(ख)** नौवीं कक्षा में
व्याख्या:
नौवीं कक्षा में

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) **डायरी का पन्ना** पाठ में जनता आज़ादी का पर्व मनाने के लिए अत्यन्त उत्साहित थी, पर पुलिस इस पर्व को मनाने के लिए जनता को हतोत्साहित कर रही थी। पुलिस के लिए यह आयोजन रोकना इसलिए आवश्यक था क्योंकि-

i. **राजनीतिक खतरा:** ब्रिटिश सरकार को डर था कि स्वतंत्रता दिवस मनाने से राष्ट्रवादी भावनाएं बढ़ेंगी और उनके शासन के खिलाफ विद्रोह हो सकता है।
ii. **सामाजिक अशांति:** पुलिस को चिंता थी कि उत्सव हिंसक झड़पों में बदल सकता है, खासकर विभिन्न समुदायों के बीच।
iii. **कानून व्यवस्था:** ब्रिटिश सरकार ने कई कानूनों को लागू किया था जो सार्वजनिक समारोहों को प्रतिबंधित करते थे, खासकर राजनीतिक प्रकृति के।
iv. **राजनीतिक नियंत्रण:** सरकार जनता को यह दिखाना चाहती थी कि उनके पास नियंत्रण है और वे किसी भी विरोध को दबा सकते हैं।
v. **भय और धमकी:** ब्रिटिश सरकार अक्सर राष्ट्रवादियों को डराने और धमकाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल करती थी।

(ii) जापान देश का आम आदमी निरर्थक बोलता है क्योंकि वह काम की अधिकता के कारण तनावग्रस्त रहता है। उसने अपने जीवन की रफ्तार बढ़ा ली है। वहाँ के आदमी के पास समय का अभाव है।

(iii)वजीर अली ने अफगानिस्तान के बादशाह को हिंदुस्तान पर आक्रमण करने के लिए बुलाया क्योंकि वह उसकी मदद से अवध को जीतकर उसका नवाब बनना चाहता था । तत्पश्चात वह अंग्रेजों को खदेड़कर हिन्दुस्तान को आजाद करना चाहता था । लेकिन अंग्रेजों के खिलाफ कम लोगों के होने के कारण उसे अफ़ग़ानिस्तान के बादशाह को मदद के लिए बुलाना पड़ा ।

(iv)फिल्म 'तीसरी कसम' की मूल पटकथा फणीश्वरनाथ रेणु द्वारा लिखी गई थी। शैलेन्द्र ने इस फिल्म को गीत-संगीत, कला, अभिनय आदि सभी गुणों से युक्त कर रेणु की मूल पटकथा को पूर्ण आकार दिया। उन्होंने मूल कथा में कोई परिवर्तन नहीं किया। यह एक अमर कृति थी। ऐसा लग रहा था कि कहानी का रेशा-रेशा और उसकी बारीकियाँ जैसे फिल्म में उतर आई हों।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

क्षुधार्त रंतिदेव ने दिया करस्थ थाल भी,
तथा दधीचि ने दिया परार्थ अस्थिजाल भी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उशीनर-क्षितीश ने स्वमांस दान भी किया,
सहर्ष वीर कर्ण ने शरीर-चर्म भी दिया।
अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्या डरे?
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) **(क)** परम दानी राजा
व्याख्या:
परम दानी राजा

(ii) **(घ)** I - 2, II - 3, III - 1
व्याख्या:
I - 2, II - 3, III - 1

(iii) **(क)** शरीर नाशवान है अतः जीव को डरना नहीं चाहिए।
व्याख्या:
शरीर नाशवान है अतः जीव को डरना नहीं चाहिए।

(iv) **(ग)** जिसका आदि या आरंभ न हो
व्याख्या:
जिसका आदि या आरंभ न हो

(v) **(क)** हड्डियाँ
व्याख्या:
हड्डियाँ

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) मीरा का मन गृहस्थ जीवन में नहीं लगता। मीरा का हृदय सदैव कृष्ण के पास रहना चाहता है। मीरा की आँखें सदैव उसे निहारना चाहती है। उसे पाने के लिए इतना अधीर है कि वह उनकी सेविका बनना चाहती है। इसी कारण वह श्याम की चाकर बनकर रहना चाहती है। जिससे हर समय अपने प्रिये को निहार सके, दर्शन कर सके और उनके निकट रह सके। मीरा श्री कृष्ण को सर्वस्व समर्पित कर चुकी है इसलिए वे केवल कृष्ण के लिए ही कार्य करना चाहती है। इस प्रकार दासी के रूप में दर्शन, नाम स्मरण और भाव-भक्ति रूपी जागीर प्राप्त कर अपना जीवन सफल बनाना चाहती है।

(ii) कविता में तालाब की तुलना एक विशाल दर्पण से की गई है क्योंकि जिस प्रकार हम अपने आपको दर्पण में देखते हैं उसी प्रकार स्वच्छ जल वाले तालाब रूपी दर्पण में विशालकाय पर्वत अपने आप को देख रहा है। यहाँ पर प्रकृति का मानवीकरण किया गया है।

(iii) प्रस्तुत कविता में कवि ने सैनिकों को राम-लक्ष्मण जैसा बनने के लिए इसलिए कहा है क्योंकि वह चाहता है कि सैनिक भी अपने खून से इस धरती पर एक ऐसी लक्ष्मण रेखा खींच दें ताकि यह धरती सुरक्षित हो जाए और जिस प्रकार राम-लक्ष्मण ने सीता की रक्षा कर अपना क्षत्रिय धर्म निभाया था उसी प्रकार उन्हें भी शत्रुओं से अपनी भारतमाता की रक्षा कर देशभक्त होने का कर्तव्य निभाना है।

(iv) कविता के अनुसार कवि ने ईश्वर से दुःख दूर करने की प्रार्थना नहीं की है क्योंकि वे आत्मनिर्भर होना चाहते हैं। वे अपने जीवन के सारे कष्टों से खुद संघर्ष करना चाहते हैं। वे ईश्वर से निवेदन करते हैं कि वे उन्हें जीवन की कठिनाइयों को सामना करने के लिए शक्ति और साहस प्रदान करें तथा उन्हें भयभीत ना होने दें।

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) कथावाचक और हरिहर काका के बीच दोस्ती का संबंध है, हालांकि दोनों के बीच उम्र का फासला है। जब कथावाचक एक छोटा बच्चा था तो उसे हरिहर काका का ढ़ेर सारा प्यार मिला। जब वह थोड़ा बड़ा हुआ तो उसके पहले मित्र भी हरिहर काका ही बने। हरिहर काका के लिए पहला मित्र कथावाचक ही था। इसी प्रकार आठ साल का टोपी बहत्तर साल की इफ्फन की दादी से अपने लगाव को नहीं रोक सका। उनका रोज़ा-नमाज़ भी टोपी को उनसे मिलने से रोकने में सक्षम नहीं हुआ। अतः स्पष्ट है कि उम्र का अंतर आत्मीय संबंधों के बीच बाधक नहीं बनता।

(ii) ओमा छात्र नेता था। उसका शरीर विचित्र साँचे में ढला हुआ था। वह ठिगना और हट्टा-कट्टा बालक था, परन्तु उसका सिर बहुत बड़ा था। उसे देखकर यूँ लगता था मानो किसी बिल्ली के बच्चे के माथे पर तरबूज रखा है। उसकी आँखें नारियल जैसी और चेहरा बंदरिया जैसा था। उसका सिर इतना भयंकर था कि वह लड़ाई में सिर की भयंकर चोट करता था। उसकी चोट से लड़ने वाले की पसलियाँ टूट जाती थीं। बच्चे उसके सिर के वार को रेल-बंबा कहते थे। वह स्वभाव से लड़ाका तथा मुँहफट था।

(iii) कस्टोडियन शब्द का अर्थ है सरकारी कब्ज़ा होना। इफ्फन की दादी के पीहर वाले पहले भारत में रहते थे। जब वे भारत से पाकिस्तान रहने चले गए तो उनके घर की देखभाल करने वाला कोई नहीं रहा और न ही उस घर पर उनका मालिकाना हक़ रहा। इस प्रकार उनका घर सरकारी कब्ज़े में चला गया।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) भूमंडलीय ऊष्मीकरण एक गंभीर वैश्विक समस्या बन चुका है। बढ़ते तापमान, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में इसके गंभीर परिणाम सामने आ रहे हैं। एक स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण के लिए हमें इस समस्या से निपटना आवश्यक है।
इसके लिए जागरूकता फैलाना सबसे पहला कदम है। लोगों को ऊर्जा संरक्षण, पुनर्नवीनीकरण और पर्यावरण-हितैषी जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना होगा। इसके अलावा, सरकारों को भी कड़े नियम बनाने होंगे और प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों पर रोक लगानी होगी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

कुछ संभावित समाधानों में शामिल हैं: जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करना, सौर और पवन ऊर्जा जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना, वनों की कटाई रोकना, और कार्बन उत्सर्जन को कम करना। हमें सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे ताकि हम अपनी पृथ्वी को बचा सकें।

(ii) मोबाइल आज विश्व में क्रांति का वाहक बन गया है। बिना तारों वाला मोबाइल फ़ोन जगह-जगह लगे ऊँचे टॉवरों से तरंगों को ग्रहण करते हुए मनुष्य को दुनिया के प्रत्येक कोने से जोड़े रहता है। मोबाइल फ़ोन सेवा प्रदान करने के लिए विभिन्न टेलीफ़ोन कंपनियाँ अपनी-अपनी सेवाएँ देती हैं। मोबाइल फ़ोन बात करने, एसएमएस की सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के खेल, कैलकुलेटर, फ़ोनबुक की सुविधा, समाचार, चुटकुले, इंटरनेट सेवा आदि भी उपलब्ध कराता है। अनेक मोबाइल फोनों में इंटरनेट की सुविधा भी होती है, जिससे ई-मेल भी किया जा सकता है। मोबाइल फोन सुविधाजनक होने के साथ ही नुकसानदायक भी है। मोबाइल फ़ोन का सबसे बड़ा दोष यह है कि यह समय-असमय बजता ही रहता है। लोग सुरक्षा और शिष्टाचार भूल जाते हैं। अकसर लोग गाड़ी चलाते समय भी फ़ोन पर बात करते हैं, जो असुरक्षित ही नहीं, बल्कि कानूनन अपराध भी है। अपराधी एवं असामाजिक तत्त्व मोबाइल का गलत प्रयोग अनेक प्रकार के अवांछित कार्यों में करते हैं। इसके अधिक प्रयोग से कानों में हृदय पर बुरा प्रभाव पड़ता है। अतः इन खतरों से सावधान होना आवश्यक है।

(iii) हमारे घर में एक खूबसूरत खाने की मेज़ है, जो हमारे परिवार के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है। यह लकड़ी से बनी है और इस पर बड़ी ही खुबसूरत नक्काशी की गई है | यह छः लोगों के बैठने के लिए पर्याप्त है। यह मेज़ हमारे घर में एक अद्भुत अनुभव प्रदान करती है। दिन में तीन बार, इस मेज को स्वादिष्ट व्यंजनों से सज्जित किया जाता है। सुबह के नाश्ते में, यह ताज़ी रोटी, पराठे, और सब्ज़ियों से भर जाती है। दोपहर के भोजन में, यह दाल, चावल, और अन्य व्यंजनों से सजी होती है और रात के खाने में, यह विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों से जगमगाती है। इसकी विशेषता यह है कि खाने के समय, यह मेज़ हमारे पूरे परिवार को एकजुट करती है। हम सब एक साथ बैठकर भोजन करते हैं, बातें करते हैं और हंसते हैं। यह समय हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें एक दूसरे से जुड़ने का मौका देता है। खाने की मेज़ केवल भोजन करने के लिए नहीं है, बल्कि यह हमारे परिवार के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है। यह एक ऐसी जगह है जहाँ हम अपनी खुशियाँ और गम साझा करते हैं, एक दूसरे का साथ देते हैं, और यादें बनाते हैं। यह मेज़ हमारे घर की शान है और हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग है।

13. सेवा में,
रेल प्रबंधक,
भारतीय रेलवे।
विषय - रेल द्वारा बुक सामान न मिलने के सन्दर्भ में।
महोदय,
सविनय निवेदन है कि दिल्ली से जयपुर आने वाली अजमेर शताब्दी में दिनांक 15/09/20XX को मैने कुछ घरेलू सामान बुक कराया था। लेकिन एक सप्ताह व्यतीत हो जाने पर भी वह हमारे निवास स्थान जयपुर (गांधीनगर) के निकटस्थ स्टेशन तक नहीं पहुँचा है। जयपुर (गांधीनगर) रेलवे स्टेशन के अधिकारी कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे रहे हैं। अतः मेरी परेशानी को ध्यान में रखकर कृपया उचित कार्यवाही कर मेरा सामान दिलावाने की कृपा करें।
भवदीय,
सुशील शर्मा
25, गांधीनगर
जयपुर
मो.न. - 92111011XX
रसीद न. - 25021441
दिनांक- 6/10/20XX

अथवा

राज्य विद्युत्-आपूर्ति निगम,
बी. एस. ई. एस.,
राजधानी पावर लिमिटेड,
मथुरा (उ०प्र०)।
दिनांक .....
विषय: परीक्षा के दिनों में अनियमित विद्युत्-आपूर्ति की समस्या के समाधान के लिए पत्र
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि मैं राहुल, हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस का विद्यार्थी/विद्यार्थिनी, आपके ध्यान में एक महत्वपूर्ण समस्या लाना चाहता हूँ। वर्तमान में हमारे विद्यालय/कॉलेज में परीक्षा का आयोजन हो रहा है, और इस समय हमें एक गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है - वह है अनियमित विद्युत्-आपूर्ति।
परीक्षा के दिनों में, जब हम सभी विद्यार्थी महत्वपूर्ण अध्ययन और परीक्षा की तैयारी में व्यस्त होते हैं, विद्युत् आपूर्ति में अनियमितता हमारे लिए अत्यंत समस्याजनक हो जाती है। बार-बार होने वाली बिजली की कटौती और अस्थिरता के कारण हमारी पढ़ाई बाधित हो रही है, जिससे परीक्षा की तैयारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।
हमारी विनती है कि आप इस समस्या को गंभीरता से लेकर शीघ्र समाधान की दिशा में कदम उठाएं। विशेष रूप से, परीक्षा के दिनों में स्थिर और निर्बाध विद्युत् आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रबंध किए जाएं।
हम आपके त्वरित ध्यान और कार्रवाई की अपेक्षा करते हैं ताकि हमारे अध्ययन में कोई विघ्न न आए और परीक्षा की तैयारी सुचारु रूप से जारी रह सके। आपकी सहायता के लिए हम आपकी आभारी रहेंगे।
धन्यवाद।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

भवदीय,
राहुल

14.

सूचना

समाज सेवा क्लब

गर्म कपड़ों के वितरण हेतु

दिनांक: 12/12/20XX

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि समाज सेवा क्लब की ओर से 'आंचल' वृद्धाश्रम में चादरे, कंबल और गर्म कपड़ों का वितरण किया जाना है। आपसे अनुरोध है कि वृद्ध और निशक्तजन की सेवा करने हेतु कदम बढायें।

राहुल खन्ना
अध्यक्ष
समाज सेवा क्लब

अथवा

बाल भारती स्कूल

सूचना

30 मार्च, 2019

चैरिटी शो (गरीब लोगों के लिए)

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय द्वारा पास के स्लम एरिया के गरीब लोगों के लिए एक चैरिटी शो का आयोजन किया गया है। इसका आयोजन 02 अप्रैल 2019 को विद्यालय के ऑडिटोरियम में किया जाएगा। विद्यार्थियों से निवेदन है कि एक मानवीय और सामाजिक कारण को ध्यान में रखते हुए इस शो को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

राहुल
हैड ब्वाय

15.

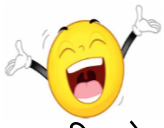

हास्य कवि सम्लेलन

दिनांक _____

समय-सांय 6 बजे से

सुनिए देश के प्रसिद्ध हास्य कवियों की गुदगुदी रचनाएँ जो आपको हँस-हँसकर लोटपोट कर देने पर मजबूर कर देंगी ... **प्रवेश निःशुल्क**

मुख्य आकर्षण: हास्य कवि सम्राट सुरेन्द्र शर्मा, हुल्लड़ मुरादाबादी

कवि सम्मेलन में बरसेगा हास्य रस आप हो जाएँगे सराबोर

स्थान-डी.ए. वी. पब्लिक स्कूल, न्यू सेक्टर 3 , रुड़की

अथवा

पुस्तक बदलो कार्यक्रम

आओ और किताबों की दुनिया में खो जाओ!

प्रिय छात्रों,

आप सभी को सूचित किया जाता है कि रुस्तमजी स्कूल मुंबई में पुस्तक बदलो कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है | यह आयोजन 23 सितम्बर 2024 से किया जा रहा है। इस आयोजन में अपनी पुरानी पुस्तकें लेकर आएँ और नई पुस्तकें ले जाएं। विभिन्न विषयों पर पुस्तकों का विशाल संग्रह। कहानी सुनाने, चित्रकला और अन्य गतिविधियां। सभी बच्चों के लिए खुला।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

आइए, पुस्तकों के प्रति प्रेम को बढ़ावा दें और बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करें!
विद्यालय सचिव, रुस्तमजी स्कूल, मुंबई

16. From: jitendra12@gmail.com
To: delhinagarnigam@gov.in
विषय: पार्क में अवैध जमावड़ा की समस्या
प्रिय नगर-निगम अधिकारी,
सादर नमस्ते,
मैं, परमजीत कौर/जितेंदर सिंह, आपके ध्यान में यह समस्या लाना चाहता/चाहती हूँ कि हमारे मोहल्ले के पार्क में अनपेक्षित व्यक्तियों का जमावड़ा लगातार बढ़ रहा है। इसके कारण बच्चों को खेलने का स्थान नहीं मिल पा रहा है। कृपया इस समस्या का समाधान शीघ्र करें और पार्क में अनुशासन बनाए रखने के लिए उचित कदम उठाएं ताकि बच्चों को खेलने के लिए पर्याप्त स्थान मिल सके।
धन्यवाद।
सादर,
जितेंदर सिंह

अथवा

जैसी करनी वैसी भरनी

ये उस समय की बात है जब मैं आठवीं कक्षा में पढ़ता था। मैं औसत वाला लड़का था। मेरी कक्षा में एक और लड़का था, जो पूरे स्कूल में अव्वल आता था। सारे शिक्षक भी उसकी तारीफ करते रहते थे। उसके प्रति मेरे मन में ईर्ष्या की भावना रहती थी। मैं ऐसे मौके की तलाश में रहता था, जब मैं उसे नीचा दिखा सकूँ। बहुत जल्द ही वो मौका मेरे सामने आ गया। हमारे स्कूल में एक परीक्षा का आयोजन हुआ, इसमें उत्तीर्ण होने वालों को सम्मानित किया जाता और आगे की पढ़ाई के लिए छात्रवृति मिलने वाली थी। मेरी चालाकी से उसके पास से नकल करने का कुछ सामान हमारे शिक्षक को मिल गया और उसे परीक्षा से बर्खास्त कर दिया गया। वहाँ पर तो मैं उत्तीर्ण हो गया, लेकिन बहुत जल्द ही मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ। जब आगे की परीक्षा में मैं उत्तीर्ण नहीं हो पाया और मुझे उससे बाहर कर दिया गया। तब मुझे ये समझ में आ गया कि हम दूसरों के साथ जैसा करते हैं, हमारे साथ भी वैसा ही होता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in